'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Programme 5th Semester Examination, 2021

DSE1/2-P1-HINDI (5)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

पत्र-संख्या **DSE-5A** अथवा पत्र-संख्या **DSE-5B** में से किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए।
उत्तर-पुस्तिका में पत्र-संख्या उल्लेख कीजिए।

DSE-5A

PRAYOJANPARAK HINDI

प्रयोजनपरक हिंदी

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) 'प्रयोजनपरक हिंदी' से क्या तात्पर्य है ?

(ख) 'श्रव्य माध्यम' की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'अनुवाद' की दो परिभाषाएँ लिखिए।

(घ) 'दृश्य-श्रव्य' माध्यम के रूप में टेलीविजन का परिचय दीजिए।

(ङ) श्रव्य माध्यम एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(च) अनुवाद का महत्व बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार विषयों पर टिप्पणी लिखिए – 6×4 = 24

(क) फिल्म

(ख) प्रयोजनमूलक हिंदी के सर्जनात्मक आयाम

(ग) समाचार पत्र

(घ) इंटरनेट

(ङ) विज्ञापन

(च) अनुवाद का स्वरूप

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध क्षेत्रों पर विचार कीजिए।

(ख) संचार माध्यमों की कार्य-विधि पर प्रकाश डालिए।

(ग) संचार माध्यमों की प्रकृति पर विचार कीजिए।

(घ) 'इंटरनेट : संयोजन एवं प्रेषण' विषयक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

अथवा

DSE-5B

KABIRDAS

कबीरदास

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) 'साखी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) कबीर को भाषा का डिक्टेटर किसने कहा है ? उनकी किसी पुस्तक का नाम लिखिए।

(ग) कबीरदास जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(घ) कबीर की कविता में गुरु का महत्त्व लिखिए।

(ङ) कबीर की प्रतीक-योजना का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(च) कबीरदास पर लिखी गयी तीन आलोचनात्मक पुस्तकों के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित पद्यांश में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावण हार।।

(ख) कबीर सोई सूरिवाँ मन सूँ माँडै झूझ।
पंच पियादा पाड़ि ले, दूरि करै सब दूज।।

(ग) परब्रह्म के तेज का, कैसा है उनमान।
कहिबे कूं सोभा नहीं देख्याही परवान।।

(घ) कबीर माया पापणी, फंध ले बैठी हाटि।
सब जग तौ फंदै पड्या, गया कबीरा काटि।।

(ङ) चिंता चिति निबारिए, फिर बुझिए न कोई।
इंद्री पसर मिटाइए, सहजि मिलैगा सोइ।।

(च) सतगुरु सवाँन को सगा, सोधी सईं न दाति।
हरिजी सवां न को हितु हरिजन सईं न जाति।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ख) कबीर को 'भाषा का डिक्टेटर' क्यों कहा जाता है ? सप्रसंग उत्तर दीजिए।

(ग) कबीर के काव्य में अभिव्यक्त रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

(घ) कबीर की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

——×——